

झांसी की ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल सिटी परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी

लखनऊ। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण झांसी की ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल सिटी (बीडा मास्टर प्लान-2045) परियोजना को आधिकारिक रूप से पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह परियोजना 253.33 वर्ग किलोमीटर (62,599.20 एकड़) में विकसित की जाएगी, जिसके अंतर्गत झांसी तहसील के 33 ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं।

बीडा के सीईओ संजय कुमार खत्री ने कहा कि यह परियोजना बुंदेलखंड को वैश्विक विनिर्माण मानचित्र पर स्थापित करेगी तथा स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाएगी। ब्यूरो

151571

करोड़ की लागत
वाली है परियोजना

253.33

वर्ग किमी क्षेत्र में
होगी विकसित

भू उपयोग का आवंटन

- औद्योगिक क्षेत्र (33.02%) : 83.66 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र औद्योगिक विकास के लिए आरक्षित।
- आवासीय एवं आबादी क्षेत्र (16.90%) : नए आवासीय क्षेत्रों के लिए 37.40 वर्ग किलोमीटर तथा मौजूदा ग्रामीण आबादी के लिए 5.40 वर्ग किलोमीटर भूमि निर्धारित की गई है।
- हरित एवं मनोरंजक क्षेत्र (24.92%) : कुल 63.13 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ग्रीन जोन के रूप में संरक्षित रखा गया है।
- परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स (11.56%) : सड़क, रेल तथा लॉजिस्टिक्स हब के विकास के लिए 29.30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र आवंटित।
- व्यावसायिक, मिश्रित एवं अन्य उपयोग : शेष भूमि व्यावसायिक (3.92 वर्ग किलोमीटर), मिश्रित उपयोग (13.02 वर्ग किलोमीटर) तथा सार्वजनिक संस्थानों के लिए आरक्षित।
- हरित बफर जोन : परियोजना सीमा पर 50 मीटर तथा डोंगरी बांध के चारों ओर 150 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट विकसित होगी।
- शून्य तरल विसर्जन : बीडा द्वारा 163.26 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा 150.88 एमएलडी क्षमता का कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा।
- ग्रामीण आबादी का विकास : स्थानीय ग्रामीण आबादी क्षेत्रों को बीडा शहर के साथ एकीकृत करते हुए आधुनिक पार्क, स्वास्थ्य केंद्र, शैक्षणिक संस्थान एवं कौशल विकास केंद्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।